विभागीय नारे

हम सबका हो एक ध्येय,
हिन्दी को दें पहला श्रेय।

बढ़ती उत्पादकता के संग,
हम हिन्दी की ओर बढ़ाये
कदम।

हिन्दी में किया गया काम,
दर्शाता है राष्ट्र के प्रति सम्मान।

हर दिन हो हिन्दी में काम,
तब ही होगा देश का नाम ।

भाषाएं इज्जत है, तार तार मत
करो,
हिन्दी राष्ट्रभाषा है, कोई वार
मत करो ।

कोटि कोटि कंठों से निकली,
आज यही स्वर धारा है ।
हिन्दी को सम्मान दो,
हिन्दुस्तान हमारा है ।।

दई छांडि निज सभ्यता,
निज समाज निज राज ।
निज भाषाहुं त्यागी तुम,
भये आज परित्याज्य।।

Sचन्दन में महक, पंछी में
चहक,
चमक माथे की बिन्दी में ।
ताप आग में लय राम में,
मिठास भाषा हिन्दी में ।।